इफिसियों के नाम प्रेरित पौलुस के पत्री

1 1पौलुस के ओर से, जे परमेश्वर के इच्छा से, यीशु
मसीह के एगो प्रेरित बाड़न,
इफिसुस के रहे वाला संत लोगन, अउर मसीह यीशु में
विश्वास राखे वालन के नाम:
2तहरा, हमनी के परमपिता परमेश्वर, अउर यीशु मसीह
के ओर से, अनुग्रह अउर शांति मिले।

मसीह में रहे वालन खातिर
आध्यात्मिक आशीष

3हमनी के प्रभु यीशु मसीह के पिता अउर परमेश्वर धन्य
होखसु। उ हमनी के मसीह के रूप में, स्वर्ग के क्षेत्र में,
हर तरह के आशीर्वाद दिहले बाड़न। 4-5संसार के रचना
से पहिले ही परमेश्वर हमनी के, जे मसीह में मौजूद बाड़न,
अपना सामने पवित्र अउर निर्दोष बने खातिर, चुनलन। हमनी
खातिर उनकर जवन प्रेम बा, ओकरे कारण, उ यीशु मसीह
के जरिए, हमनी के अपना बेटा के रूप में, मंजूर कइल जाये
खातिर बहाल कइलन। इहे उनकर इच्छा रहे, अउर इहे
उद्देश्य भी रहे। 6अइसन उ, एह से कइलन कि उ, अपना
महिमा युक्त अनुग्रह के कारण, अपना के प्रशंसित करसु। उ
एकरा के हमनी के, जे उनकर प्रिय पुत्र में मौजूद बा, खुला
भाव से दिहलन।
7उनकर लहू के जरिए, अब हमनी के, आपन पाप से
छुटकारा के आनन्द ले रहल बानी जा। उनकर भरपूर
अनुग्रह के कारण, हमनी के आपन पाप के माफी मिलेले।
अपना ओही प्रेम के मुताबिक, जेकरा के उ मसीह के
जरिए हमनी पर परगट कइल चाहत रहलन। 8उ हमनी
के आपन इच्छा के राज के बतवले बाड़न। 9जइसन कि
मसीह के जरिए उ हमनी के देखावल चाहत रहलन।
10परमेश्वर के ई योजना रहे, कि सही समय अइला पर,
स्वर्ग के अउर धरती पर के सब चीज के, मसीह में इकट्ठा
करसु।
11सब बात योजना अउर परमेश्वर के फैसला के मुताबिक,
कइल जाली सऽ। अउर परमेश्वर अपना निजी प्रयोजन
के कारण ही हमनी के ओही मसीह में संत बने खातिर
चुनले बाड़न। ई उनका अनुसार ही भइल जेकरा परमेश्वर
अनादिकाल से सुनिश्चित करके रखले रहलन। 12जवना
से कि, हमनी के, उनकर बड़ाई के कारण बन सकीं जा।
हमनी के, मतलब जे लोग आपन सब उम्मीद, मसीह पर
टिका दिहले बाड़न। 13जब तू ओह सच्चाई के संदेश सुनलऽ,
जवन तोहार उद्धार के सुसमाचार रहे, अउर जवना मसीह
पर तू विश्वास कइले रहलऽ, तऽ जवन पवित्र आत्मा के
बचन दिहले रहलऽ, मसीह के जरिए उनकर छाप परमेश्वर
के जरिए, तहनी लोग पर भी लगावल गइल। 14उ, आत्मा,
हमनी के उत्तराधिकार के हिस्सा के, जमानत के रूप में,
ओह समय तक खातिर, हमनी के दे दिहल गइल बा, जब
तक कि उ हमनी के, जे उनकर आपन बाड़न, पूरा तरह से
छुटकारा नइखे दे देत। एह कारण से लोग, ओकर महिमा
के प्रशंसा करिहें।

इफिसियन खातिर पौलुस के प्रार्थना

15एह से, जब से हम प्रभु यीशु में, तोहार विश्वास अउर सब
संतन के खातिर, तोहार प्रेम के बारे में, सुनले बानी, 16हम
तोहरा खातिर, परमेश्वर के लागातार धन्यवाद कर रहल
बानी। आपन प्रार्थना सब में, हम तोहार चर्चा कइल करेनी।
17हम प्रार्थना कइल करेनी, कि हमनी के प्रभु यीशु मसीह
के परमेश्वर, तहरा के विवेक, अउर दिव्यदर्शन के अइसन
आत्मा के शक्ति देसु, जवना से कि तू ओह महिमावान परम
पिता के जान सकऽ।
18हमार विनती बीया, कि तोहार हृदय के आँख खुल
जाउ, अउर तू अंजोर के दरसन कर सकऽ, कि तहरा पता
चल जाउ, कि उ उम्मीद का हऽ, जेकरा खातिर उ, तोहरा के
बोलवले बाड़न। अउर जवना उत्तराधिकार के, उ आपन सब
लोग के दिहन, उ कतना अद्भुत अउर भरपूर बा। 19अउर
हमनी विश्वासीयन खातिर, उनकर शक्ति अतुलित रूप से
कतना महान बीया। ई शक्ति, आपन महान शक्ति के ओह
प्रयोग के जइसन बीया, 20जेकरा के, उ, मसीह में तब काम
में लिहले रहलन, जब मरल में से उनका के, फेरु से जिया के
स्वर्ग के क्षेत्र में, अपना दाहिना ओर बइठा के, 21सब शासक,
अधिकारी, समरथ अउर प्रभुता, अउर हर कवनो अइसन
शक्तिशाली पदबी के उपर, स्थापित कइले रहलन, जेकरा
के ना सिर्फ एह जुग में, बल्कि आवे वाला जुग में भी, केहू
के दिहल जा सकत बा। 22परमेश्वर सब कुछ के, मसीह के
चरण के नीचे कर दिहलन, अउर उहे, मसीह के, कलीसिया
के सबसे उँचा शिरोमणि बनवलन। 23कलीसिया मसीह के
देह हऽ, अउर सब विधि से, सब कुछ के, उनकर पूर्णता ही,
परिपूर्ण करेले।

मौत से जिनिगी के ओर

2 1एगो समय रहे, जब तहनी लोग, ओह अपराध अउर
पाप के कारण, आध्यात्मिक रूप से मरल रहलऽ
2जवना में तू पहिले, संसार के बुरा रास्ता पर चलत, अउर
ओह आत्मा के पीछे पीछे चलत, जीयत रहलऽ, जे एह धरती
के उपर के आत्मिक शक्ति के स्वामी बा। उहे आत्मा, अब
ओह आदमी सब में काम कर रहल बीया, जे परमेश्वर के
आज्ञा ना मानेलन। 3एक समय हमनी के भी, ओही लोगन
के बीच जीयत रहनीजा, अउर आपन पाप से भरल प्रकृति
के, भौतिक इच्छा के तृप्त करत, आपन हृदय, अउर पाप
से भरल प्रकृति के, जरूरत के पूरा करत, संसार के दोसर
लोगन के जइसन, परमेश्वर के क्रोध के पात्र रहनी जा।

4बाकी परमेश्वर करूणा के धनी हवन। हमनी खातिर,
आपन महान प्रेंम के कारण 5ओह समय अपराध के कारण,
हमनी के आध्यात्मिक रूप से, अभी मरल ही रहनी जा,
कि मसीह के साथ साथ, उ हमनी के भी जीवन दिहलन,
(परमेश्वर के अनुग्रह से ही तोहार उद्धार भइल बा।) 6अउर
काहेंकि, हमनी के यीशु मसीह में बानी जा, एह से पमरेश्वर,
हमनी के मसीह के साथ, फेरु से जियवलन, अउर उनका
साथ ही, स्वर्ग के सिंहासन पर बइठवलन। 7जवना से कि
उ, आवे वाला हर युग में, अपना अनुग्रह के अनुपम धन, के
देखावसु, जेकरा के उ, मसीह यीशु में, आपन दया के रूप में,
हमनी पर देखवले बाड़न।

8परमेश्वर के अनुग्रह के जरिए, अपना विश्वास के कारण,
तोहार उद्धार भइल बा। ई तहनी लोग के, तहरा ओर से नइखे
हासिल भइल, बल्कि ई तऽ परमेश्वर के बरदान बा। 9ई
हमनी के कइल गइल, कर्म के नतीजा नइखे, कि हमनी के
एकरा पर गर्व कर सकीं जा। 10काहेंकि परमेश्वर, हमनी
के बनावेवाला हवन। उ मसीह यीशु में, हमनी के सृष्टि एह
से कइले बाड़न, कि हमनी के नेक काम करीं जा, जेकरा के
पमरेश्वर पहिले से ही, एह से तइयार कइले बाड़न, कि हमनी
के ओकरा के करत, आपन जीवन बिताई जा।

मसीह में एक

11एह से याद रखऽ, उ लोग, जे अपना शरीर में, मनुष्य के
हाथ के जरिए कइल गइल खतना के कारण, अपने आप
के "ख़तना के साथ" बतावेलन, बेधरमी के रूप में जनमल,
तहनी लोग के "बिना खतना के" कहत रहलन। 12ओह
समय तू बिना मसीह के रहलऽ, तू लोग इस्राएल के बिरादरी
से बाहर रहलऽ। परमेश्वर अपना भक्त लोग के, जवन बचन
दिहले रहलन, ओहनी पर टिकल, वाचा से अनजान रहलन।
अउर एह संसार में, बिना परमेश्वर के निराश जीवन जीयत
रहलन। 13बाकी अब तहरा के, जे कभी परमेश्वर से बहुत
दूर रहलन, मसीह के लहू के जरिए, मसीह यीशु में तोहार
स्थिति के कारण, परमेश्वर के नजदीक ले आवल गइल
बा।

14यहूदी अउर गैर यहूदी, आपस में एक दूसरा से नफरत
करत रहलन, अउर अलग हो गइल रहलन। ठीक अइसे,
जइसे उनका बीच में कवनो दीवार खड़ा होखे। बाकी मसीह
अपने आपन देह के बलिदान देके, नफरत के ओह दीवार
के गिरा दिहलन। 15उ, अइसन तब कइलन, जब आपन
समूचा नियम, अउर व्यवस्था सब के नियम के, खतम कर
दिहलन। उ अइसन एह से कइलन, कि उ अपना एह दूनो के,
एक में मिला सकसु। अउर एह तरह से मिलाप करा देसु।
क्रूस पर आपन मौत के जरिए, उ ओह नफरत के अंत कर
दिहलन। अउर ओह दूनो के, परमेश्वर के साथ, ओह एक देह
में मिला दिहलन। 16अउर क्रूस पर, आपन मौत के जरिए, बैर
भाव के नाश करके, एक ही देह में, ओह दूनो के जोड़ के,
परमेश्वर से फेरु मिला देसु। 17एह से आके, उ तहनी लोग
के, जे कि परमेश्वर से बहुत दूर रहलन, अउर जे उनका
नजदीक रहलन, उनका के शांति के सुसमाचार सुनवलन।
18काहेंकि उनके ही जरिए, एक ही आत्मा से, परम पिता के
पास हमनी दूनो के पहुँच भइल।

19नतीजा के रूप में, अब ना तू अनजान रहलऽ, अउर
ना ही पराया। बल्कि अब तऽ तू संत जन के, आपन देश
के संगी साथी हो गइल बाड़ऽ। 20तू एगो अइसन मकान
बाड़ऽ, जे प्रेरितन अउर नबियन के आधार पर खड़ा बा। अउर
अपने मसीह यीशु, जेकर बहुत खास कोना के पत्थर बाड़न।
21-22मसीह में स्थित, एगो अइसन जगह के रचना के रूप
में, दोसर लोगन के साथ तोहार भी निर्माण कइल जा रहल
बा, जहँवा आत्मा के जरिए, अपने परमेश्वर निवास करेलन।

गैर यहूदियन में पौलुस के प्रचार के काम

3 1एही से हम, पौलुस, तहनी गैर यहूदियन खातिर, मसीह
यीशु के खातिर कैदी बनल बानी। 2तहरा कल्याण
के खातिर, परमेश्वर, अनुग्रह के साथ जवन काम हमरा
के सँउपले बाड़न, ओकरा बारे में तू जरूर सुनले होइबऽ।
3कि उ राज वाली योजना, दिव्यदर्शन के जरिए, हमरा के
जनावल गइल रहे, जइसन कि हम तहरा के छोटे में लिखिए
दिहले बानी। 4अउर अगर तू ओकरा के पढ़बऽ, तऽ मसीह
के विषय वाली, रहस्य से भरल सच्चाई में, हमार अन्तर्दृष्टि
के समुझ तहरा हो जाई। 5ई रहस्य, पिछली पीढ़ी के लोगन
के, ओइसे ना बतावल गइल रहे, जइसे अब ओकर आपन
पवित्र प्रेरितन, अउर नबियन के आत्मा के जरिए, बतावल
जा चुकल बा। 6ई राज बा कि यहूदियन के साथ, गैर यहूदी
भी, साथी उत्तराधिकारी बाड़न, एक ही देह के अंग हवन,
अउर मसीह यीशु में जवन बचन, हमनी के दिहल गइल बा,
ओकरा में सहभागी बाड़न।

7सुसमाचार के कारण हम, ओह सुसमाचार के प्रचार
करे वाला, एगो सेवक बन गइनी, जे ओकरा शक्ति के
अनुसार, परमेश्वर के अनुग्रह के, बरदान के रूप में, हमरा
के दिहल गइल रहे। 8हालाकि सब संत लोगन में, हम छोटा
से भी छोटा बानी, बाकी मसीह के अनन्त धन के रूप वाला
सुसमाचार के, गैर यहूदिनयन में प्रचार करे के ई अनुग्रह,
हमरा के दिहल गइल 9कि हम सब लोगन खातिर, ओह
रहस्य से भरल योजना के साफ करीं, जे सब कुछ के
रचयिता परमेश्वर में, सृष्टि के शुरूआत से ही छिपल रहे।
10जवना से कि, उ स्वर्गिक क्षेत्र के शक्ति, अउर प्रशासकन के
अब ओह परमेश्वर के, बहुत प्रकार के ज्ञान के, कलीसिया
के जरिए परगट कर सकसु। 11ई ओह सनातन उद्देश्य के
मुताबिक पूरा भइल, जवन उ हमनी के प्रभु मसीह यीशु में,
पूरा कइले रहलन। 12मसीह में विश्वास के कारण, हमनी के
परमेश्वर तक भरोसा, अउर निर्भीकता के साथ पहुँच राखेनी
जा। 13एह से हम प्रार्थना करत बानी, कि तहरा खातिर हम
जवन कष्ट भोग रहल बानी, ओकरा से उम्मीद मत छोड़
बइठिहऽ, काहेंकि एह कष्ट में ही तऽ, तोहार महिमा बीया।

मसीह के प्रेम

14एह से हम परमपिता के आगे झुकत बानी। 15ओही से,
स्वर्ग में चाहे धरती पर के सब बंश, आपन आपन नाम
अपनावेलन। 16हम प्रार्थना करत बानी कि, उ महिमा के,
आपन धन के मुताबिक, आपन आत्मा के जरिए, तोहार
भीतरी व्यक्तित्व के शक्ति के साथ, मजबूत करसु। 17अउर
विश्वास के जरिए, तोहरा हृदय में, मसीह के बास होखे।
तोहार जड़ अउर नींव, प्रेम पर टिके। 18जवना से, तहरा दोसर
सब संत जन के साथ, ई समुझे के शक्ति मिल जाउ, कि
मसीह के प्रेम केतना व्यापक, बड़ा, विशाल, अउर गंभीर बा।
19अउर तू मसीह के ओह प्रेम के जान लऽ, जे सब प्रकार
के ज्ञान से हट के बा, जवना से कि, तू परमेश्वर के सब
परिपूर्णता से भरि जा।

20अब ओह परमेश्वर खातिर, जे कि आपन ओह शक्ति
से, जे हमनी में काम कर रहल बीया, जतना हमनी के मांग
सकत बानी जा, चाहे जहाँ तक हमनी के सोच सकत बानी
जा, ओकरा से भी अधिक कर सकत बाड़न, 21उनकर
कलीसिया में, अउर मसीह यीशु में, अनन्त पीढ़ी तक, हमेशा
हमेशा खातिर महिमा होत रहे। आमीन।

एक देह

4 1एह से हम, जे प्रभु के होखे के कारण बंदी बनल बानी,
तहनी लोग से प्रार्थना करत बानी, कि तहनी लोग
के आपन जीवन, ओइसहीं जीये के चाहीं, जइसन संतन के
मुताबिक होखेला। 2हमेशा नम्रता, अउर कोमलता के साथ,
धीरज के साथ व्यवहार करऽ। एक दूसरा के प्रेम से सहत
रहऽ। 3उ शांति, जवन तहरा के आपस में बांधेले, ओकरा से
पैदा भइल आत्मा के एकता के, बनवले राखे खातिर, हर तरह
के कोशिश करत रहऽ। 4देह एगो बीया, अउर पवित्र आत्मा
भी एक ही बीया। अइसहीं जब तहरा के भी बुलावल गइल,
तऽ एक ही उम्मीद में भागीदार होखे खातिर ही बोलावल
गइल। 5एक ही प्रभु बाड़न, एक ही विश्वास बा, अउर बा
एक ही बपतिस्मा। 6परमेश्वर एक ही बाड़न, अउर उ सबके
पिता हवन। उहे सब के स्वामी बाड़न, हर केहू के जरिए, उहे
क्रियाशिल बाड़न, अउर हर केहू में, उहे समाइल बाड़न।

7हमनी में से हर केहू के, उनकर अनुग्रह के एगो खास
उपहार दिहल गइल बा, जवन मसीह के उदारता के लायक
बा। 8एही से शास्त्र कहत बा:

> "उ, उँचा चढ़ि के विजयी के, बंदी बनवलन, अउर
> उ लोगन के, आपन आनंदी बर दिहलन।"
>
> *भजन संहिता 68:18*

9अब देखऽ, जब उ कहेलन, "उँचा चढ़ऽ" तऽ एकर
मतलब, एकरा सिवाय का बा? कि उ धरती के निचला
हिस्सा पर भी, उतरल रहलन। 10जे नीचे उतरल रहल, उ उहे
हवन, जे उँचो भी चढ़ल रहल, अतना उँचा कि सब आकाश
से भी उपर, जवना से कि, उ सब कुछ के पूरा कर देसु। 11उ,
अपने ही कुछ के प्रेरित होखे के बरदान दिहलन, तऽ कुछ
के नबी होखे के, तऽ कुछ के सुसमाचार के प्रचारक होखे
के, तऽ कुछ के परमेश्वर के जन के सुरक्षा, अउर शिक्षा के।
12मसीह, उनका के ई बरदान, संत लोगन के सेवा काम के
खातिर, तैयार करे के दिहलन, कि हमनी के जे मसीह के देह
हईं जा, आत्मा में अउर दृढ़ होईं जा। 13जब तक कि हमनी
सब विश्वास में, अउर परमेश्वर के पुत्र के ज्ञान में, एकाकार
हो के परिपक्व पुरूष बने खातिर, विकास करत मसीह के
पूरा गौरव के, उँचाई के ना छू लीहीं जा।

14जवना से कि, हमनी के अइसहीं बच्चा ना बनल रहीं
जा, जे हर कवनो अइसन नया शिक्षा के हवा से उछालल
जाईं जा, जवन कि हमनी के राह में बहेले, लोगन के छल से
भरल व्यवहार से, अइसन धूर्तई से, जे ठगी से भरल योजना
के प्रेरित करेले, एने-ओने भटका दिहल जालन। 15बल्कि
हमनी के प्रेम के साथ सच बोलत, हर प्रकार से मसीह के
जइसन बने खातिर, विकास करत जाईं जा। मसीह सिर
हवन, 16जवना पर समूचा देह टिकल रहेले। ई देह, ओकरा
से जुड़ के, हरेक सहायक नस में जुटेले, अउर जब एकर
हरेक अंग, जवन काम ओकरा करे के चाहीं, ओकरा के पूरा
करेला, तऽ प्रेम के साथ पूरा देह के, विकास होखेला, अउर
ई देह अपने मजबूत होखेले।

अइसे जीयऽ

17हम एहिसे ई कहत बानी, अउर प्रभु के साक्षी कर के तहरा
के चेवातनी देत बानी, कि उनकर बेकार के बिचार के साथ,
अधर्मियन जइसन जीवन, मत जीयत रहऽ। 18उनकर बुद्धि,
अंधकार से भरल बीया। उ लोग, परमेश्वर से मिले वाला
जीवन से, दूर बाड़न। काहेंकि उ अबोध बाड़न, अउर उनकर
मन, मूरख जइसन हो गइल बा। 19लाज के भावना, उनका
में से चलि गइल बीया। अउर उ अपना के, इन्द्रिय उपासना में
लगा दिहले बाड़न। बिना कवनो बंधन के, उ लोग हर तरह
के अपवित्रता में जुटल बाड़न। 20बाकी मसीह के बारे में,
जवन तू जनले बाड़ऽ, उ तऽ अइसन नइखे। 21हमरा कवनो
शक नइखे, कि तू उनका बारे में सुनले बाड़ऽ; अउर उ सच,
जे यीशु में बास करेला, ओकरा मुताबिक तहरा के, उनकर
चेला के रूप में, शिक्षित भी कइल गइल बा। 22जहाँ तक
तोहार जीवन के रूप के संबंध बा, तहरा के शिक्षा दिहल
गइल रहे, कि तू आपन पुराना व्यक्तित्व के उतार के फेक
दऽ, जे ओकर भटके वाली इच्छा के कारण, भ्रष्ट बनल बा।
23जवना से, बुद्धि अउर आत्मा में तहरा के, नया कइल जा
सके। 24अउर तू ओह नया रूप के धारण करि सकऽ, जवन
परमेश्वर के लायक सच में, धार्मिक अउर पवित्र बने खातिर,
रचल गइल बा।

25एह से तू लोग झूठ बोले छोड़ दऽ। आपन साथी से, हर
केहू के सच बोले के चाहीं, काहेंकि हमनी सब, एक ही शरीर
के अंग हईं जा। 26क्रोध में आ के पाप मति करऽ। सूरज ढले
से पहिले, आपन गुस्सा खतम कर दऽ। 27शैतान के अपना
पर हावी मत होखे दऽ। 28जे चोरी करत आ रहल बा, उ
आगे चोरी मति करे। बल्कि ओकरा काम करे के चाहीं, खुद
अपना हाथ से कवनो उपयोगी काम। जवना से कि, जेकरा
जरूरत बा, ओकरा साथ बाँटे खातिर कुछ हो सके।

29तहरा मुँह से कवनो गलत शब्द ना निकले के चाहीं,
बल्कि लोगन के बिकास खातिर, जेकर उम्मीद बा, अइसन
बढ़िया बात ही निकले के चाहीं, कि जे सुने ओकर, ओकरा
से भला होखे। 30परमेश्वर के पवित्र आत्मा के, दुखी मत
करत रहऽ, काहेंकि परमेश्वर के संपति के रूप में, तहरा
पर मुक्ति के दिन के खातिर आत्मा के साथ, मोहर लगा
दिहल गइल बा। 31सारा कड़वाहट, झुंझलाहट, गुस्सा,
चीखल-चिल्लाइल, अउर निंदा के, तू अपना भीतर से हर
तरह के बुराई के साथ, निकाल के बाहर फेंकऽ। 32आपस
में एक-दूसरा खातिर, दयालु अउर करूणावान बनऽ। अउर
आपस में एक दूसरा के गलती के, ओइसहीं क्षमा करऽ, जइसे
मसीह के जरिए, तहरा के परमेश्वर भी क्षमा कइले बाड़न।

5 1प्यारा बच्चा के जइसन, परमेश्वर के पीछे चलऽ।
2प्रेम के साथ जीयऽ। ठीक ओइसहीं, जइसे मसीह
हमनी से प्रेम कइले बाड़न, अउर अपने आप के मधुर-गंध
भेंट के रूप में, हमनी खातिर परमेश्वर के अर्पित कर दिहले
बाड़न।

3तहरा बीच में व्यभिचार, अउर हर तरह के अपवित्रता,
चाहे लालच के, चर्चा तक ना चले के चाहीं। जइसन कि
संत लोगन खातिर सही बा। 4तहरा में ना तऽ गंदा भाषा के
व्यवहार होखे के चाहीं, ना बेवकूफी से भरल बात, चाहे गंदा
हँसी मजाक। ई तहरा लाएक नइखे। बल्कि तहरा लोग के
बीच में, धन्यवाद ही दिहल जाउ। 5काहेंकि तू पक्का तौर
पर ई जानत बाड़ऽ, कि अइसन कवनो भी आदमी, जे कि
दुराचारी बा, अपवित्र बा, चाहे लालची बा, जे एगो मूर्ति पूजा
करे वाला के जइसन बा। मसीह के, अउर परमेश्वर के राज
के उत्तराधिकार, नइखे पा सकत।

6देखऽ, तोहरा के सीधा-सादा शब्द से केहू छल ना लेबे।
काहेंकि, एह बात सब के कारण ही, आज्ञा के ना माने वाला
पर, परमेश्वर के कोप होखे वाला बा। 7एह से उनकर साथी
मत बनऽ। 8ई हम एह से कह रहल बानी, कि एगो समय
रहे, जब तू अंधेरा से भरल रहलऽ, बाकी अब तू प्रभु के
अनुयायी के रूप में, अंजोर से भरल बाड़ऽ। एह से, प्रकाश
पुत्र के जइसन व्यवहार करऽ। 9हर तरह के धार्मिकता, नेकी,
अउर सत्य में, प्रकाश के प्रतिफल दिखाई देबेला। 10हरदम
ई जाने के कोशिश करत रहऽ, कि परमेश्वर के का नीमन
लागेला। 11अइसन काम, जे अंधेरा से भरल बाड़े सऽ, ओह
बेकार के काम में हिस्सा मति लऽ, बल्कि ओहनी के भंडा-
फोड़ करऽ। 12काहेंकि अइसन काम, जेकरा के उ चुपे चुपे
करेलन, ओकरा बारे में चर्चा कइल भी, लाज के बात बा।
13ज्योति जब प्रकाशित होखेले, तऽ सब कुछ दिखे लाएक
हो जाला 14अउर जवन कुछ दिखे लाएक हो जाला, उ अपने
ही ज्योति बन जाला। एही से, हमनी के भजन कहत बा:

> "अरे जागऽ, हे सूते वाला! मरल में से जी के उठ
> बइठऽ, तहरे सिर, अपने मसीह प्रकाशित होइहें।"

15एह से सावधानी के साथ देखत रहऽ, कि तू कइसन
जीवन जी रहल बाड़ऽ, बिना विवेक वाला के जइसन
आचरण मति करऽ, बल्कि बुद्धिमान के जइसन आचरण
करऽ। 16जे हर मौका के अच्छा कर्म करे खातिर, पूरा-पूरा
उपयोग करेलन, काहेंकि, ई दिन खराब बाड़े सऽ 17एह से
मूर्ख मति बनऽ, बल्कि ई जानऽ, कि प्रभु के इच्छा का बा।
18शराब पी के मतवाला मति बनल रहऽ, काहेंकि एकरा से
कामुकता पैदा होखेले। एकर उल्टा, आत्मा से पूर्ण हो जा।
19भजन, स्तुति, अउर आध्यात्मिक गीत के आपस में लेन देन
करत रहऽ। 20हर कवनो बात के खातिर, हमनी के प्रभु यीशु
मसीह के नाम पर, हमनी के परमपिता परमेश्वर के हमेशा
धन्यवाद करऽ।

पति अउर पत्नी

21मसीह खातिर सम्मान के कारण, एक दूसरा पर समर्पित
हो जा।
22हे पत्नी लोग, अपना-अपना पति के खातिर, अइसन
समर्पित रहऽ, जइसे तू प्रभु के खातिर समर्पित होखेलु।
23काहेंकि अपना पत्नी के उपर, ओकर पति ही प्रमुख
बा। ओइसहीं, जइसे हमनी के कलीसिया के सिर, मसीह
बाड़न। उ अपने ही, एह देह के उद्धार करेलन। 24जइसे
कलीसिया, मसीह के अधीन बीया, ओइसहीं पत्नी सब
के, सब बात में, अपना-अपना पति खातिर, समर्पित रहे के
चाहीं।
25हे पति लोग, अपना पत्नी से प्रेम करऽ। ओइसहीं
जइसे मसीह कलीसिया से प्रेम कइलन, अउर अपने आपके
ओकरा खातिर, बलि दे दिहलन। 26जवना से कि उ, ओकरा
के प्रभु के सेवा में, पानी मे नहवा के, पवित्र कर के, हमनी के
घोषणा के साथ, परमेश्वर के अर्पित कर देसु। 27एह तरह से
उ, कलीसिया के एगो अइसन चमचमात दुलहिन के रूप में,
अपना खातिर पेश कर सकत बाड़न, जवन कि बिना दाग के
होखे, बिना झुर्रियन के होखे, चाहे जेकरा के अइसन अउर
कवनो कमी ना होखे। बल्कि उ पवित्र होखे, अउर एकदम
निरदोष होखे।
28पति लोग के आपन-आपन पत्नी से, ओही तरह
से प्रेम करे के चाहीं, जइसे कि उ खुद, अपना देह से
करेलन। जे अपना पत्नी से प्रेम करेला, उ अपने आप
से ही प्रेम करेला। 29केहू अपना देह से, कबहूँ नफरत
ना करेला, बल्कि उ, ओकरा के पालेला-पोसेला, अउर
ओकर खयाल राखेला। ओइसही जइसे मसीह, आपन
कलीसिया के 30काहेंकि हमनी के भी, उनका देह के
अंग ही बानी जा। 31शास्त्र कहता बा: "एही से एगो पुरूष,
अपना माता-पिता के छोड़ के, अपना पत्नी से बंध जाला,
अउर दूनो एक देह हो जाले।" 32ई रहस्य से भरल सच,
बहुत खास बा अउर हम तहरा के बतावत बानी, कि ई
मसीह, अउर कलीसिया पर भी लागू होखेला। 33एह से
कुछ भी होखे, तहनी लोग में से हरेक के, अपना पत्नी
से ओइसहीं प्रेम करे के चाहीं, जइसे तू अपने आपके
करेलऽ। अउर पत्नी के भी, अपना पति के डर मानत,
ओकर आदर करे के चाहीं।

बच्चा अउर माता-पिता

6 1हे बालक सब, प्रभु में विश्वास राखत, माता-पिता के
आज्ञा के पालन करऽ, काहेंकि इहे सही बा। 2"अपना
माता-पिता के इज्जत दऽ।" ई पहिला आदेश हऽ, जे कि एह
प्रतिज्ञा से भी जुड़ल बा, 3"तोहार भला होखे, अउर तू धरती
पर लंबा आयु वाला होखऽ।"
4अउर हे पिता लोग, तूहू अपना बालकन के गुस्सा मति
दिलावऽ, बल्कि प्रभु से मिलल शिक्षा, अउर आदेश के देत,
उनकर पालन-पोषण करऽ।

सेवक अउर स्वामी

5हे सेवक लोग, तू अपना सांसारिक स्वामी लोग के आज्ञा,
बिना कपट वाला हृदय से, भय अउर आदर के साथ, ओही
तरह से मानऽ, जइसे तू मसीह के आदेश मानेलऽ। 6सिर्फ
केहू के देखते रहते, काम मति करऽ, जइसे तहरा, लोगन के
समर्थन के जरूरत होखे। बल्कि मसीह के सेवक के रूप में
काम करऽ, जे आपन मन लगा के परमेश्वर के इच्छा पूरा
करेला। 7उत्साह के साथ एगो सेवक के रूप में अइसन
काम करऽ, जइसे मानऽ कि तू लोगन के ना, प्रभु के सेवा
कर रहल बाड़ऽ। 8याद राखऽ, तहरा में से हरेक, चाहे उ दास
होखे, चाहे आजाद, अगर केहू नीमन काम करी, तऽ प्रभु से
ओकर प्रतिफल पाई।
9हे स्वामी लोग, तूहू अपना सेवकन के साथ, ओइसने
व्यवहार करऽ, अउर उनका के डेरावल-धमकावल छोड़
दऽ। याद राखऽ, उनकर अउर तोहार स्वामी स्वर्ग में बाड़न,
अउर उ कवनो पक्षपात ना करेलन।

प्रभु के अभेद कवच धारण करऽ

10मतलब ई, कि प्रभु में स्थित हो के, उनकर असीम शक्ति के
साथ, अपने आपके शक्तिशाली बनावऽ। 11परमेश्वर के पूर्ण
कवच के धारण करऽ। जवना से कि तू, शैतान के योजना
के सामने, टिक सकऽ। 12काहेंकि हमनी के लड़ाई, मनुष्य
से नइखे, बल्कि शासक, अधिकारी, एह अंधेरा से भरल युग
के आकाशी शक्ति, अउर आकाश के दुष्ट आत्मिक शक्ति के
साथ बा। 13एह से, परमेश्वर के पूर्ण कवच के धारण करऽ,
कि जब बुरा दिन आवे, तऽ जवन कुछ हो सके, ओकरा के
कइला के बाद, तू मजबूती से अडिग रह सकऽ।
14–15एह से अपना कमर पर सच के फेंटा कस
के, धार्मिकता के झिलम पहिन के, अउर पैर में शांति के
सुसमाचार सुनावे के तइयारी के जूता धारण कर के, तू
लोग अटल खड़ा रहऽ। 16एह सब से बड़ बात ई बीया कि,
विश्वास के, ढाल के रूप में ले लऽ। जवना के जरिए तू,
ओह सब जरत तीर के बुझा सकबऽ, जवन कि बुराई के
जरिए छोड़ल गइल बाड़े सऽ। 17मुक्ति के, सिर के रक्षा करे
वाला पहिन लऽ, अउर परमेश्वर के संदेश रूप वाली आत्मा
के तलवार उठा लऽ। 18हर तरह के प्रार्थना अउर निवेदन
के साथ, आत्मा के सहायता से, हर मौका पर विनती करत
रहऽ। एह लक्ष्य से, सब तरह के कोशिश करत सावधान
रहऽ। अउर सब संतन खातिर प्रार्थना करऽ।
19अउर हमरा खातिर भी प्रार्थना करऽ, कि हम जब भी

आपन मुँह खोलीं, हमरा एगो सुसंदेश मिले, कि हम बिना
भय के, सुसमाचार के रहस्य से भरल सच्चाई के, परगट
कर सकीं। 20एही खातिर, हम जंजीर में जकड़ल राजदूत के
जइसन सेवा कर रहल बानी। प्रर्थना करऽ कि हम, जवना
तरीका से हमरा बोले के चाहीं, ओही तरह से, बिना डर के,
सुसमाचार के प्रबचन कर सकीं।

आखिरी नमस्कार

21हम कइसन बानी अउर का कर रहल बानी, एकरा के तूहूं
जान जा। तुखिकुस तहरा के सब कुछ बता दिहें। उ हमनी के
प्रिय बंधु हवन, अउर प्रभु में स्थित एगो विश्वासपूर्ण सेवक
हवन 22एही से हम उनका के, तहरा पास भेज रहल बानी,
कि तू हमार समाचार के जान सकऽ, अउर एह खातिर भी,
कि उ तहरा मन के शांति दे सकसु।

23हे भाई लोग, तू सब लोग के, परम पिता परमेश्वर अउर
प्रभु यीशु मसीह के ओर से, विश्वास, शांति अउर प्रेम हासिल
होखे। 24जे हमनी के प्रभु यीशु मसीह से, अमर प्रेम राखेलन,
उनका पर, परमेश्वर के अनुग्रह होखेला।